आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902

डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2017-2019

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जन संवाद का पाक्षिक

वर्ष 3 | अंक 02 | उदयपुर गुरूवार 01 फरवरी 2018 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

राजनीति साधु-संतों की जमात नहीं : अशोक गहलोत

उदयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजनीति साधु-संतों की जमात नहीं है। मतभेद तो वहां भी होते हैं। निजी दौरे पर उदयपुर आए गहलोत ने पत्रकारों से कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के जितने भी बड़े नेता हैं उनमें किसी में भी आपस में विवाद नहीं है। मतभेद हो सकते हैं, परन्तु मनभेद नहीं है। साधु-संतों में भी अ ल ग - अ ल ग अखाड़े होते हैं।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से आगामी चुनाव एवं अन्य मसलों पर चर्चा करते डॉ. तुक्तक भानावत

गहलोत ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे जातिवाद पनपा रही है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जातिवाद को जड़ से उखाड़कर फैंकने का आव्हान कर रहे हैं। ऐसे में मोदी अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री को रोक क्यों नहीं रहे हैं।

गहलोत ने कहा कि वसुन्धरा राजे अहम और घमण्ड में चलती है। प्रदेश की जनता ने भाजपा को अपार समर्थन दिया, जिसका उन्होंने कोई मोल नहीं रखा। राजे सरकार के आते ही मैट्रो की सौगात, डूंगरपुर-बांसवाड़ा-रतलाम रेल लाईन, देवास तृतीय और चतुर्थ, सैनिक स्कूल झुंझुनूं और अलवर, पत्रकारिता विवि जयपुर, खेल विवि झुंझुनूं सहित कई प्रोजेक्ट बंद कर दिये। गहलोत ने कहा कि गुजरात चुनाव के बाद मोदी के कांग्रेस मुक्त भारत की धज्जियां उड़ गईं। पद्मावती फिल्म भाजपा का ही एक षड़यंत्र है।

आजादी के बाद लोककलाएं और उनका संरक्षण

- डॉ. महेन्द्र भानावत -

आजादी से पूर्व विविध कला पेशा जातियां अपने-अपने यजमानों का विशिष्ट वार, त्यौहार, उत्सवों, संस्कारों तथा मुख्य-प्रमुख अवसरों पर मनोरंजनकर यजमानवृत्ति से ही अपनी आजीविका चलाती थीं। आजादी के बाद इस स्थिति में बड़ा बदलाव आया जिससे लोकानुरंजनकारी सारी प्रवृत्तियां छिन्न-भिन्न हो गई और कलाकारों का जीवनयापन दुविधा में पड़ गया।

देवता तथा मनुष्य के अन्तः संबंधों से अटे तीर्थस्थानों, रहस्यमय गुफाओं, तपस्यारत साधुओं, दृश्य-अदृश्य होते स्वरूपों तथा अनेकानेक वैचित्र्यों, लीला लावणियों की भारत भूमि सदैव से ही सबको अचरज देने वाली रही है। आजादी के बाद सारी आंचलिक लोककला-रचनाएं बदलते संदर्भों के साथ हो गईं।

संकट की ऐसी घड़ी में 1952 में उदयपुर में भारतीय लोककला मंडल की स्थापना कर देवीलाल सामर ने पर म्पराजीवी कलाओं के उन्नयन, विकास, प्रचार, प्रसार, प्रयोग, प्रकाशन तथा संरक्षण का बीड़ा उठाया।

-शेष पृष्ठ सात पर

स्मृतियों के शिखर (45) : डॉ. महेन्द्र भानावत

जले हुये की मल्हम के लिए डॉ. रामदेव अग्रवाल

सभी दुख एक जैसे नहीं होते तो सभी सुख भी समान नहीं होते। शरीर में कोई रोग नहीं होने पर भी मैंने ऐसे लोगों को देखा है जो महा दुखी हैं। ऐसे सम्पन्न लोगों को भी मैं जानता हूं जो सेवा कार्य करना चाहते हैं पर बदले में अर्थ प्राप्ति की कामना लिए हैं। इसके बिना वे व्यर्थ में इधर-उधर डोल रहे हैं पर जो लोग सच्चे दिल से सेवा कार्यों में लगे हुए हैं, उनकी बलिहारी है।

ऐसे सच्चे मनस्वियों को बदले में कुछ भी पाने की लालसा नहीं रहती। बीकानेर में यह देखकर बड़ा अचरज हुआ कि वहां के बुलाकीदास अग्रवाल अपनी सूखा साग की दुकान में जले हुए लोगों की मरहम पट्टी करने में खोये हुए हैं। उनके पास उनका भतीजा रामदेव कैंची से रूई के फोहे बना रहा है। पास में मल्हम पड़ी है जिसमें पट्टियां तर की जाकर लम्बी लाईन में लगे रोगियों का बड़ी निष्ठा और आत्मीयता से धैर्यपूर्वक इलाज किया जा रहा है।

बीकानेर के बड़ा बाजार में बुलाकीदासजी से 26 जून 1990 को मेरी भेंट हुई। मेरे साथ प्रो. सतीश मेहता थे जिन्होंने जैन कॉलेज में रामदेव को पढ़ाया था सो बुलाकीजी के पूरे परिवार से परिचित थे। मेरे साथ मेरी आत्मजा डॉ. कविता भी थी।

रोगियों का इलाज बुलाकीजी सर्वथा निशुल्क और नियमित सुबह-शाम करते हैं। इसकी प्रेरणा उन्हें एक महात्मा से मिली। महात्मा कौन था, कहां से आया, उन्हें कुछ नहीं मालूम। उन्हें लगा जैसे वह उन्हीं के लिए एक वरदान स्वरूप आया है। उसने मल्हम बनाने की सामग्री के साथ संपूर्ण विधि-जाप और एक विशेष प्रकार की पोशाक पहनी जाकर शरीर की हर प्रकार की शुद्धि रखने का आलम बताया। बोला, रहस्य को सदैव रहस्य ही बनाये रखना और जैसे-जैसे रोगी बढ़ते रहेंगे, उनका इलाज भी बढ़त दिये रखना। इसी से परिवार में शान्ति, सुख और समृद्धि बढ़ती रहेगी। यह कहते वह महात्मा पता नहीं, कहां चला गया। बाद में भी कभी नजर नहीं आया। लगा जैसे कोई देव-पुरुष आया और अदृश्य हो गया। उस महात्मा का ही यह यह करिश्मा है कि जो रोगी आता है वह पहली पट्टी में ही आराम महसूस करने लगता है। महीने में 60-70 किलो मल्हम बनाई जाती है। इसके साथ 10 किलो रूई और आठ-दस पैकेट पट्टी लग जाती है।

बीकानेर में दो दिन के प्रवास के दौरान रामदेव ने हमें बताया कि अधिकतर लोग दूध, चाय, अंगीठी, स्टोव, करंट तथा तेजाब से जले आते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निराश होकर नहीं लौटता। घाव पर मल्हम लगाते ही रोगी ठंडक महसूस करता है। जलन बन्द हो जाती है। पट्टी चिपकती नहीं है। ठीक हो जाने पर घाव का दाग नहीं रहता है। जलन के अलावा दाद, खुजली, फोड़े, फुंसी, एक्जीमा, पाइल्स जैसी बीमारियों के लिए भी मल्हम रामबाण असर करती है। पशु-पक्षियों के लिए भी यह दवा बड़ी असरकारी सिद्ध हुई है।

एक दिन रामदेव हमें एक दूध वाले के घर ले गये। उसकी बच्ची दूध उबलते कहाड़े में गिरकर बुरी तरह जल गई थी तब एक दवा-विक्रेता ने उस बालिका को बुलाकीजी के पास भिजवाया जहां दो सप्ताह की नियमित पट्टी के बाद वह बालिका पूर्णत: स्वस्थ हो गई थी। हम गये तब वह उसी बड़े कड़ाहे में दूध गर्म करने का कार्य कर रही थी। बड़ी खुश हुई। बोली, अस्पताल में काफी कुछ खर्च करने पर भी इलाज नहीं लगा तब भला हो, बुलाकी भाईजी का जिन्होंने बिना एक कौड़ी खर्च कराये मुझे चंगा कर दिया।

यहां से रामदेव हमें अस्पताल के पास रह रहे एक सुसंस्कृत सम्पन्न परिवार में ले गये। उन्होंने वहां एक लड़की से मिलाया जिसे कई दिनों तक अस्पताल में रखा गया। करीब 70 हजार रुपया खर्च करने पर भी उसकी दशा नहीं देखी गई तब उन्होंने बुलाकी भाईजी से सम्पर्क किया। भाईजी उनके साथ अस्पताल आये और किसी तरह लड़की को वहां से छुट्टी दिलाई और उसके घर जाकर कई दिनों तक पट्टी करी तब जाकर वह ठीक हुई।

मैंने देखा, पूरे परिवार के लोग भाईजी का नाम सुनकर इतने भावुक हो गये कि कुछ नहीं बोल पाये। उनके साथ हम भी अपनी भीगी आंखें लिए चुपचाप चल पड़े। यहां से रामदेव हमें गोपेश्वर महादेव भी ले गये जहां प्रतिदिन चार-चार घंटे तक बुलाकी भाईजी महादेव की सेवा-पूजा में रहते हैं।

एक दिन तो ऐसा भी हुआ जब बुलाकीजी के समक्ष मंदिर में महादेव की पूजा के समय साक्षात् सर्पराज ही प्रकट हो गये तब भाईजी ने निर्भयता के साथ सर्पराज की ही पूजा कर डाली। उस समय मंदिर में और लोग भी थे जिन्होंने साक्षात् सर्पदेव के दर्शन किये। उसके बाद श्रावण के महीने में भाईजी महादेवजी को बड़ी मात्रा में घी, दूध और शहद का चढ़ावा करते रहे। आज तो वह पूरी बस्ती ही गोपेश्वर नाम से जानी जाती है।

इस बार जब नये वर्ष को पहली जनवरी 2018 को ऐन सुबह रामदेव ने फोन किया तो मुझे बड़ी खुशी हुई कि अब वे डॉ. रामदेव के रूप में बोल रहे हैं। भाईजी के हालचाल पूछने पर बड़े उदास मन से बोले कि सन् 2000 में 58 वर्ष की उम्र में ही वे हमें छोड़ गये लेकिन उन्होंने सेवा-भावना की जो अमूल्य देन दी, हम पूरे मनोयोग से उस परम्परा को संरक्षित किये हुए हैं।

यह देन निरन्तर फलफूल रही है। भाईजी ने अपने समय में लगभग दो लाख लोगों का इलाज किया। दस वर्ष की उम्र से ही मैंने उनके साथ रहकर यह कार्य सीखा। अब तक 80 हजार रोगियों का इलाज तो मैं स्वयं कर चुका हूं।

रामदेव ने बताया कि हमारा पूरा ही परिवार इस कार्य में लगा हुआ है। हालांकि पहले सभी संयुक्त परिवारी थे। अब भाईजी के लड़के मधुसूदन तथा पोते, मेरा भतीजा मनसुख तथा पुत्र दीतेश और अग्रज शिवजी अपने-अपने ढंग से सेवाकार्यों में लगे हुए हैं। सारे कार्य निशुल्क हैं और सब पर महादेव शिव की अखूट कृपा है।

रामदेव ने यह भी बताया कि अब समय में बड़ा बदलाव आया है सो हमने इस कार्य को भी थोड़ी गति दी है। हमारे इस कार्य की समाज के साथ सरकार में भी पहचान बनी है। इसी कारण से 23 सितम्बर 1995 में हरियाणा के मंडी डबवाली में हुए भीषण अग्निकांड में हमें भेजा गया। वहां दस व्यक्तियों के हमारे दल ने 40 दिन रहकर जले रोगियों का इलाज किया। इसी प्रकार फरवरी 1997 में उड़ीसा के बारीपदा में हुए अग्निकांड में बीकानेर कलेक्टर द्वारा मुझे भेजा गया। वहां दस दिन रहकर मैंने करीब 50 व्यक्तियों का इलाज किया।

रामदेव की इस सेवा-भावना का अन्य लोग भी लाभ उठायें इस दृष्टि से मैंने उदयपुर में तथा डॉ. संजीव भानावत ने जयपुर में आकाशवाणी तथा दूरदर्शन केन्द्र में भी उनकी भेंट-वार्ताएं आयोजित करवाईं। यह भी सुझाव दिया कि इस मल्हम की ट्यूब भी बनाई जाय ताकि घर बैठे लोग भी अपना इलाज स्वयं कर सकें। यह काम भी रामदेव ने छोटे लेवल से प्रारंभ किया। 'शिव शक्ति मल्हम' नाम से ट्यूब पैकिंग प्रारंभ करने में उन्हें सफलता हाथ लगी है।

रामदेव ने मुझे यह भी सूचना दी कि बड़ी दवा-कम्पनियां चाहती हैं कि उन्हें यह कार्य करने दिया जाय ताकि वे बड़े फलक पर इसका प्रचार-प्रसार कर सकें किन्तु उन्होंने उनके इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया है। वे कहते हैं कि इसके लिए विक्रेता को अधिकाधिक कमीशन देना पड़ता है। कमीशन का बाजार गर्म होने पर मल्हम का मूल्य बढ़ाना पड़ेगा तब सेवा-भावना का तो मरण ही हो जायेगा।

अत: जिस गति से हमारा कार्य चल रहा है, हमें उसी में संतोष है। हमारा मूल लक्ष्य तो निशुल्क सेवा का ही है। ट्यूब के माध्यम से भी हमारा भाव सेवाकारी ही है, कमाई का नहीं। कमाई के लक्ष्य में पड़कर हम महात्माजी के दिये वरद-आशीष को तो चोट पहुंचायेंगे ही, भाईजी की सेवा-भावना को भी उतनी ही ठेस पहुंचेगी और हम अपने किये के पाप के भागी होंगे।

'मेवाड़ी शब्दकोश' का लोकार्पण

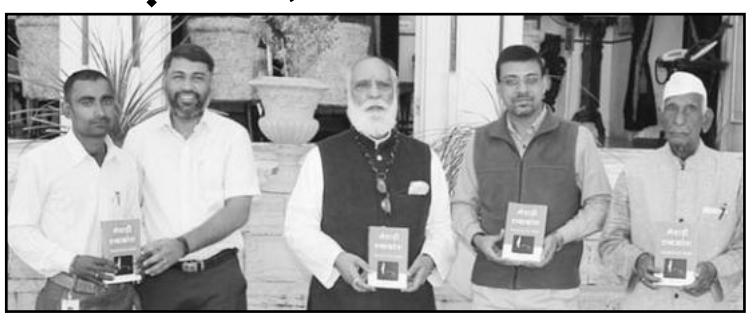

उदयपुर। 'मेवाड़ी शब्दकोश' का लोकार्पण सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास पैलेस में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी श्रीजी अरविन्दसिंह मेवाड़ ने किया। शब्दकोश के प्रकाशक निर्माण सोसायटी के प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी भूपेन्द्र सिंह आउवा ने बताया कि मेवाड़ी शब्दकोश का दूसरा प्रकाशन किया गया है, जिसमें मेवाड़ी-हिन्दी एवं अंग्रेजी के शब्द है। इस शब्दकोश का संपादन गोवर्धन लाल जाट, रतनलाल गाडरी, रामसिंह चारण, कविता योगी एवं मुकेश कुमार योगी ने किया है। इसमें अंग्रेजी भाषा की वैज्ञानिक मदद रॉयसन नॉरमन डिसौज़ा ने की है। मेवाड़ी शब्दकोश की प्रकाशक निर्माण सोसायटी बेंगलुरू है। शब्दकोश संकलन से पूर्व इसमें मेवाड़ी में आलोक पहचान, दो टूक बातां, मेवाड़ी गीत, मेवाड़ी अक्कर, मेवाड़ को नक्शो एवं शब्दकोश देकबा को तरीको का भी प्रकाशन किया गया है। शब्दकोश में महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ का मेवाड़ी भाषा में शुभकामना संदेश भी प्रकाशित किया गया है। करीबन पौने चार सौ पृष्ठों के इस शब्दकोश का मूल्य 300 रूपए निर्धारित किया गया है।

डॉ. धींग को कुंदकुंद पुरस्कार

डॉ. दिलीप धींग को वर्ष 2017 के कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार इन्दौर के कुंदकुंद ज्ञानपीठ द्वारा डॉ. धींग के शोधग्रंथ 'समय और समयसार' के लिए प्रदान किया जाएगा। कुंदकुंद के कार्यकारी निदेशक डॉ. अनुपम जैन ने बताया कि पुरस्कार के अंतर्गत 51 हजार की सम्मान-राशि, प्रशस्ति-पत्र, श्रीफल और शॉल प्रदान किये जायेंगे।

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
प्रधान कार्यालय - केशव माधव सभागार, एनसीएम सिटी, चित्तौड़गढ़, (01472-243770)
गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
MISSED CALL ALERT : MOBILE NO: 8866466644
मोबाईल बैंकिग | तुरंत इन्स्टा डेबिट कार्ड सुविधा
(BBPS) भारत बिल पेमेन्ट सिस्टम | (IMPS) IMMEDIATE PAYMENT SERVICE
सभी खाताधारको से निवेदन है कि अपने सभी खातो मे अपना आधार नम्बर एवं पेन नम्बर पंजीकृत करावे। Missed Call Alert के लिए अपना फोन नम्बर खाते मे रजिस्टर्ड करावे।
इन सभी सुविधाओ के लिए अपनी नजदीकी शाखा से सम्पर्क करे।
शाखाऐं - चित्तौड़गढ़, चन्देरिया, बेगूं, निम्बाहेड़ा, कपासन एवं बड़ी सादड़ी
आपकी सेवा में सदैव तत्पर
विमला सेठिया अध्यक्ष | शिवनारायण मानधना उपाअध्यक्ष | चंदना वजीरानी प्रबंध निदेशक | डॉ. (सीए) आई. एम. सेठिया संस्थापक अध्यक्ष
संचालक मण्डल के सदस्य - डॉ. महेशचन्द्र सनाढय, हस्तीमल चोरडिया, शांतिलाल पुंगलिया, आदित्येन्द्र सेठिया, विनोद कुमार आंचलियां, राधेश्याम आमेरिया, सुनीता सिसोदिया, चांदमल नंदावत, बालकिशन धूत, अभिषेक मीणा, रणजीत सिंह नाहर, सीए बालकृष्ण डाड एवं समस्त अरबन बैंक परिवार।

शब्द रंजन

उदयपुर, गुरूवार 01 फरवरी 2018

सम्पादकीय

संविधान जनहिताय नहीं, देशहिताय हो

इन दिनों भारतीय संविधान को लेकर भी बड़ा चर्चा-विमर्श चल रहा है। 26 जनवरी 1948 से यह संविधान लागू है। इसमें प्रारंभ से ही संशोधन होने लगा और अब तक सौ के करीब संशोधन हो चुके हैं। इस दृष्टि से विचार करें तो हमारे संविधान के प्रति लोगों की मानसिकता डगपचाने लगी है।

जबलपुर निवासी संविधान विशेषज्ञा, जानीमानी अधिवक्ता और वरिष्ठ सुलेखिका श्रीमती सुधारानी श्रीवास्तव ने सूचित किया कि संविधान जब बनाया गया था तब थ्योरीटीकल सोच थी जो व्यावहारिकता की धरातल पर कदम रखते ही फिसलने लग गई। उसी समय से 'समानता की भावना' का खण्डन होने लगा था। यदि एक हिन्दू दूसरा विवाह करता था तो भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत अपराधी होता था जबकि मुसलमान चार निकाह करके भी अपराधी नहीं होता था।

उसका बचाव शरियत कानून करता था। कहने का तात्पर्य संविधान की समानता की भावना पर शरियत कानून माना जाता है। इसी प्रकार दीवार के इस तरफ एक आदिवासी शराब उतारता है तो उसके जातिगत नियम के अन्तर्गत है। यहां भी संविधान की भावना से ऊपर जातिगत कानून व्यवहार में आता है। योग्य छात्रों को छोड़कर अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्रों को आगे करने का परिणाम तो हम आज भोग ही रहे हैं।

यही कारण है कि संविधान के पुनर्गठन की सोच सुगबुगाने लगी है और ऐसे संविधान के औचित्य पर ही खुसुरपुसुर चालू हो गई है। चुनाव आने को हैं। सभी दल लोकलुभावन घोषणाएं कर जनभावना को अपनी ओर करने का प्रयास करने लग जायेंगे। मतदाता को पक्ष में करने के लिए देशहित गौण होता देखा जायगा। कई तरह के प्रलोभनों में मंहगाई का ग्राफ नीचे आता दिखेगा। मंहगाई भत्ता बढ़ता लगेगा किन्तु सत्तासीन होने के बाद फिर वही पुरानी चाल की रांटल शुरू होती लगेगी।

यह भी सही है कि इतने वर्षों में अनेक विसंगतियां सामने आ चुकी हैं। अत: देश की अक्षुण्णता को लिए जनहिताय की जगह अब देशहिताय संविधान आज की अहम आवश्यकता महसूस की जा रही है।

सुन्दरकाण्ड विनम्रता की शिक्षा देने वाला काव्य ग्रंथ

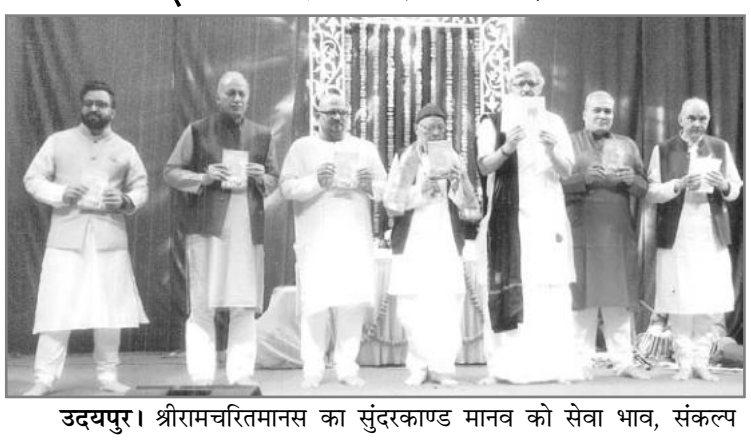

उदयपुर। श्रीरामचरितमानस का सुंदरकाण्ड मानव को सेवा भाव, संकल्प शक्ति, दृढ़ इच्छा शक्ति, परोपकार और विनम्र स्वभाव रखने की शिक्षा देने वाला अमर काव्य है। ये विचार मानस-मयंक अजय याग्निक ने मोहनलाल सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित भक्ति संगीत सभा में व्यक्त किये। प्रसंग संस्थान के संस्थापक डॉ. इन्द्रप्रकाश श्रीमाली ने बताया कि इस अवसर पर प्रेमशंकर शर्मा द्वारा संकलित 'सुमन संकलन' पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

राजमल जैन चेम्कॉम के महामंत्री बने

उदयपुर। चेम्बर ऑफ कॉमर्स के हुए चुनावों में राजमल जैन महामंत्री चुने गये। चेम्कॉम के अध्यक्ष पारस सिंघवी ने कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि **मुख्य सलाहकार** फतेहलाल जैन, **सलाहकार** किरणमल सावनसुखा, जानकीलाल मून्दड़ा, अम्बालाल बोहरा, शिवकुमार बाफना, शब्बीर के. मुस्तफा, सुखचैनसिंह कंडा, धीरेन्द्र सच्चान तथा किरणचन्द्र लसोड़, **संरक्षक** गणेश डागलिया, **वरिष्ठ उपाध्यक्ष** तुलसीराम अग्रवाल, **उपाध्यक्ष** हिम्मत बड़ाला तथा सुखलाल साहू, **मंत्री** अजय पोरवाल तथा सुरेन्द्रकुमार बाबेल, **कोषाध्यक्ष** दिनेश चावत, **संगठन मंत्री** इन्दरसिंह मेहता, **प्रचार-प्रसार मंत्री** राकेश जैन तथा **सांस्कृतिक मंत्री** हरीश चावला चुने गये।

पद्मावती लोक में मुखर

प्रेम इतिहास का विषय नहीं है। वह साहित्य और कला वर्ग की अन्तरात्मा का विषय है। वह इतिहास के तथ्यात्मक यथार्थ के घेरे से बाहर निकल कर सत्य की खोज में निकल पड़ता है।

सच यह है कि जीवन की मार्मिक अन्तर्घटनाओं का जन्म अनायास होता है। उन क्षणों का कोई गवाह नहीं होता। वह स्थिति रहस्यात्मक बनती सुख दुख से परे अनुभव होती है। पद्मावती उन्हीं क्षणों की देन है जिनमें प्रेम अजर-अमर होता है और उसका साक्षी बनता है उसका ही शौर्य-उत्सर्ग।

माना कि तत्कालीन इतिहासकारों ने उसका उल्लेख नहीं किया, इससे वह ऐतिहासिक पात्र नहीं रही। यह सोचना गलत है। वह इतिहास में नहीं होती तो उससे जुड़ी अनामात्मक घटनाएं कहां से आतीं और कैसे बुना जाता यह ऐतिहासिक धरातल। उसने इतिहास से आगे बढ़कर लोकसाहित्य में प्रवेश कर लिया और लोकसाहित्य ने उसे अमर बना दिया। ध्यातव्य है इतिहास के आला पात्र नायक-नायिका लोकसाहित्य नहीं बन पाते। प्रयाग से आगे निकलकर यह पता नहीं चलता कि उसमें यमुना कहां है। ठीक वैसा ही साहित्य में होता है। इतिहास में दिल की धड़कन सुनना सम्भव नहीं है।

-डॉ. राजेन्द्रमोहन भटनागर
('अथ पद्मावती' के लेखक)

कौन से स्वतंत्र हो, जो भी हो, तुम जानो

तुम बार-बार अपनी स्वतंत्रता पर ऐंठ रहे हो
अनजान हो।
पूरी सृष्टि ही बंधी हुई है एक-दूजे से
कितने संघ संगठन सम्प्रदाय जातियां
बाबे, तुम्बे, पंथ संन्यासी, साधु,
दलबल, ताले-मतवाले, तहखाने, मयखाने, जू-जंगल,
धातंकी-आतंकी-रातंकी, छलकारे
सबने बांध रखा है सब जीवों को।
तुम्हें मालूम है ?
धरती आकाश हवा पानी
सब एक दूसरे को थामे हुए हैं
धरती ने वायु को
वायु ने आकाश को
शेषनाग धरती को अपने ऊपर टिकाये है
तो शेषनाग कश्यप पर आसीन है
कश्यप को पानी ने थाम रखा है।
पानी पूरी सृष्टि को संभाले हुए है
कई बार प्रलय हुए
कई बार धरती उजड़ी
कभी महाप्रलय नहीं हुआ
कभी धरती नहीं मरी।
अपने को सर्वशक्तिशाली समझनेवाले मनुष्य
तुम पतंग की तरह उड़ते इठलाते हो
पर धरती ने सबको बांध रखा है, तुम्हें भी
एक सराय में यात्री की तरह तुम हो
सांप की केंचुली का आवरण लिए
नदी के दो किनारों में कौन स्वतंत्र है ?
नदी, किनारे, या कि पानी!
तुम कौनसे स्वतंत्र हो, जो भी हो, तुम जानो।

शिक्षिका सुमित्रा मेहता सम्मानित

बड़ीसादड़ी के खरदेवला गांव स्थित राजकीय उ. मा. विद्यालय में गणतंत्र दिवस एवं शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह में प्रधानाचार्य अनिल पोरवाल की अध्यक्षता तथा सरपंच ओंकारसिंह राव के मुख्य आतिथ्य में विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सुमित्रा मेहता का भामाशाह नामित सम्मान किया गया।

धागे से बना तिंरगा

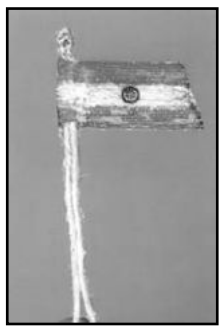

सूक्ष्म डायरी निर्माता चंद्रप्रकाश चितौड़ा ने गणतंत्र दिवस पर 69 धागों से तिंरगा झंडा बनाया है जो मात्र 12सेंटीमीटर का है। इसे बनाने के लिए दो दिन का समय लगा।

उदयपुर सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि.
शास्त्री सर्कल, उदयपुर (राज.)

गणतंत्र दिवस के पर्व पर
भण्डार के सभी सदस्यों एवं उपभोक्ताओं
को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई

(प्रेम प्रकाश माण्डोत)
प्रकाशक

(आशुतोष भट्ट)
महाप्रबन्धक

हमारे पास शब्द रंजन है
आपके पास और भी बहुत कुछ
कृपया सहयोग करें

संरक्षक	11000/
विशिष्ट सदस्य	5000/
आजीवन सदस्य	3000/
शब्दरंजन के सहयात्री	1000/
साहित्यिक चौपाल	500/
वार्षिक संस्थागत	300/
वार्षिक व्यक्तिगत	250/

शब्दरंजन में विज्ञापन सहयोग कर अपने इस पत्र को और अधिक रंगदार, रूपवान तथा समाज विकास का अग्रणी प्रतिनिधि पत्र बनायें।

(**Shabd Ranjan**, UCO BANK, Bhupalpura Branch, Udaipur, a/c no. 18450210000908, IFSC no. UCBA0001845, a/c type- Current a/c)

कृपया रचनाएं व समाचार ई-मेल से भेजें तो सुविधाजनक शीघ्र प्राप्त होंगी।

shabdranjanudr@gmail.com

PIMS
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
SAI TIRUPATI UNIVERSITY
प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न विभाग
डॉ. एम.पी. अग्रवाल
एम.एस. (जनरल सर्जरी)
एम.सी.एच. (प्लास्टिक, बर्न एण्ड कॉसमेटिक सर्जरी)
पूर्व अनुभव : सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर
कन्सलटेन्ट (प्लास्टिक, बर्न एण्ड कॉसमेटिक सर्जरी)
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज
बाल एवं शिशु शल्य रोग विभाग
डॉ. प्रवीण झंवर
एम.एस. (जनरल सर्जरी)
एम.सी.एच. (पिडियाट्रिक सर्जरी)
From Lady Harding Medical College & Kalawati Saran Children Hospital, New Delhi
बाल शल्य चिकित्सक
प्लास्टिक सर्जरी एवं जलने के रोगों के विश्वस्तरीय एवं अत्याधुनिक उपचार
प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स
• बर्न (जलने का ईलाज)
• कैंसर (चेहरे व त्वचा के)
• कटी नस-नाडी जोड़ना
• चेहरे के फ्रेक्चर एवं चोटें
• जन्मजात विकृतियों के ऑपरेशन (कटे होंठ, तालू, खून की गांठे, हाथों की विकृतियां)
• कटी अंगुलियों को पुन: जोड़ने के ऑपरेशन
• जलने से उत्पन्न विकृतियों की सर्जरी
• कुचले हाथ व पैंरों को बचाने के ऑपरेशन
• जेवरों से कटे कानों की सर्जरी
• बेड सोर, कीलोइड्स
फेशियल नर्व पेरेलिसिस
कॉस्मेटिक सर्जरी
• लाइपोसक्शन
ढ़ली टक, मोटापा, चर्बी व लटके पेट के लिए
• सफेद दाग (Vitiligo) की सर्जरी
• नाक व चेहरे की कॉस्मेटिक सर्जरी
• हेयर ट्रांसप्लांट (गंजेपन के लिए)
• स्तन व जननांगों की प्लास्टिक सर्जरी
नवजात शिशु के ऑपरेशन
+ भोजन नली व श्वास नली का जुड़ा होना (TEF)
+ पेशाब के रास्ते जन्म से रूकावट (PUV)
+ आँतो का पूरा ना बनना (Intestinal Atresia)
+ लेट्रिंग का रास्ता नहीं बनना (Imperforate Anus/Anorectal Malformation)
+ लीवर, पेट व पेशाब संबंधी
+ गर्भ में बच्चे के विकार सम्बंधी काउंसलिंग (Fetal Counseling)
बच्चों के पेट के ऑपरेशन
+ अपेंडिक्स
+ आँतो में रूकावट
+ हर्निया, हाइड्रोसील
+ अण्डकोषो का नीचे ना होना
+ पीलिया के सर्जिकल कारण (Choledochal Cyst, EHBA)
बच्चों के गुर्दे/पेशाब संबधी इलाज
+ गुर्दो में रूकावट + पाइलोप्लास्टी + पेशाब में रूकावट + पथरी + हाइपोस्पेडियास (लिंग में विकार) + एपीस्पेडियास
+ एक्सट्रोफी + युरेटरीकरीइम्प्लांटेशन + बच्चो के छाती के ऑपरेशन + जन्म से फेफड़े की गांठ (CCAM, CLE, Lury Cyst)
+ फेफड़ो में मवाद का ऑपरेशन (Decortication/VATS) + गले में फॉरेन बॉडी काफ सजाना (Bronchoscopy)
पथरी, प्रोस्टेट एवं मूत्र रोग विभाग
डॉ. विकास गुप्ता
एम.एस. (सर्जरी), डी.एन.बी. (यूरोलॉजी), मुंबई,
एम. एन. ए. एम. एस. (यूरोलॉजी)
कंसलटेन्ट यूरोलॉजिस्ट (पथरी, प्रोस्टेट एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ सर्जन)
पूर्व अनुभव-पी.डी. हिन्दुजा हॉस्पिटल, मुंबई
चिकित्सकीय सुविधाएँ
+ लेजर मशीन द्वारा :- RIRS, Ultra mini PCNL, Mini PCNL, ThLEP, ThLVP
+ (थूलियम 200 W - होलमियम 35 W)
न्यूरोलोजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग
डॉ. अनुराग पटेरिया
एम.एस. (जनरल सर्जरी), एम.सी.एच. (न्यूरो सर्जन)
एंडोस्कोपिक (दूरबीन) ब्रेन एण्ड स्पाइन सर्जन
पूर्व अनुभव : सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर
न्यूरोलोजी सेवाएं
» अत्याधुनिक न्यूरो आई.सी.यू एवं स्ट्रोक यूनिट
» ऐपीलेप्सी क्लिनीक (मिर्गी)
» मुवमेंट डिस्आर्डर क्लिनीक
» लकवा (Stroke)
» मिर्गी व झंझानाहट
» माईग्रेन (सिरदर्द)
न्यूरोसर्जरी सेवाएं
» एक्सिडेन्ट व ट्रोमा
» मस्तिष्क व स्पाईनल कोर्ड गांठ
» ऐनिरीयुस्म क्लिपिंग सर्जरी
» सिर व रीढ की हड्डी के विभिन्न ऑपरेशन
» स्लिप डिस्क, सर्वाइकल डिस्क
» हाईड्रोसीफेलस (सिर में पानी भरना)
» पिट्युटरी ग्रंथी का ऑपरेशन
श्वसन टी.बी. चेस्ट एवं बहिरंग विभाग
डॉ. अशोक कुंवाल
एम.बी.बी. एस., एम.डी.,
एफ.सी.सी.एस.
पूर्व अनुभव : AIIMS (Jodhpur)
चिकित्सकीय सुविधाए
+ दूरबीन द्वारा फेफडो की जाँच (ब्रोंकोस्कोपी)
+ दूरबीन द्वारा फेफडो मे पानी भरने एवं कैंसर की जांच एवं निदान (थोरकोस्कोपी)
+ स्पाइरोमेट्री
+ खर्राटों की जाँच
+ प्लुरल एस्पिरशनल
+ दमा, अस्थमा टी. बी. एवं अन्य श्वसन रोगो का उपचार
+ डॉट्स (DOTS) ट्रीटमेंट फैसिलिटी
+ रेस्पिरेटरी आई सी यू
+ ऍफ. एन. ऐ. सी.
+ थोरकोस्टॉमी
+ एलर्जी टेस्टिंग फैसिलिटी
चर्म रोग विभाग
डॉ. शिवांगी शर्मा
एम.बी.बी. एस., एम.डी.,
(गोल्डमेडलिस्ट) स्किन एण्ड वी.डी.
पूर्व अनुभव : फोर्टिस हॉस्पिटल, दिल्ली
उपलब्ध सुविधाएं
सफेद दाग के लिए अत्याधुनिक नेरोबैंड यू वी बी चैम्बर कायो मशीन द्वारा कीलॉयड, हाइपरट्रोफिक स्कार्स, त्वचा के मस्से, तीली, टैग, वार्ट आदि आर.एफ. मशीन द्वारा हटाना त्वचा के कैंसर, एक्सीडेंट स्कार्स को भरना, टैटू रिमुवल, स्किन बाईओप्सी, एलर्जी टेस्टिंग, हेयर एवं स्किन मेसोथेरेपी, केमिकल पीलिंग, सोराइसिस, दाद, खाज, खुजली, स्केबीज पिम्पल्स, रिंकल्स एवं एलोपीसिया, त्वचा के समस्त विकार
एनेस्थीसिया विभाग
डॉ. कमलेश के. शेखावत
एम.डी. एनेस्थीसिया
पूर्व चिकित्सकः टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई
न्युरो आई. सी.यू., कार्डिएक आई.सी.यू., सर्जिकल आई.सी.यू., मेडिकल आई.सी.यू.
उपलब्ध सुविधाएं
• वेंटीलेटर
• डायलिसिस
• पोस्ट कार्डिएक अरेस्ट यूनिट
• बोन मेरो एस्पिरेशन/बाईओप्सी
• पेरिकार्डियल एफ्फेशन टेपिंग
• प्लुरल फ्लूइड टेपिंग
• परक्युटेनियस ट्रेकियोस्टोमी
• लुम्बर पंचर
• एस्कॉटिक टेपिंग
• आई.सी.डी.इंसर्शन
• सेंट्रल लाइन इंसर्शन
• सेंट्रल लाइन इंसर्शन
नाक, कान, गला बहिरंग विभाग
डॉ. विक्रम सिंह राठौर
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (गोल्डमेडलिस्ट) ई.एन.टी.
पूर्व अनुभवः हिंदुजा हॉस्पिटल मुंबई, भाभा हॉस्पिटल मुंबई
स्पीच थेरेपी, ऑडियोमेट्री, ई.एन.टी. जांच की सुविधा
उपलब्ध सुविधाएं
नाक
• नाक एवं साईनस का दुरबीन से ऑपरेशन
• एलेर्जी का ईलाज
• आँख के नासुर का दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
कान
• कान के पर्दे का ऑपरेशन
• कटे कान की सिलाई
• कान की मशीन लगाने की सुविधा
गला
• टॉसिल के ऑपरेशन
• थाइराइड ग्रंथि का ऑपरेशन
• गले के कैंसर की जांच की सुविधा
भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना
लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा
लाभार्थियों को अन्तरंग ईलाज हेतु कैशलेस सुविधा
प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष चिन्हित सामान्य बीमारियों हेतु रु. 30 हजार और चिन्हित गंभीर बीमारियों हेतु 3 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर
भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत 3 लाख तक का निःशुल्क उपचार
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) योजना
ICU • ICCU • PICU • NICU • SICU • BURN ICU
उपलब्ध सुविधाएं
❖ जनरल मेडिसिन ❖ गायनेकोलोजी एण्ड ऑबस्टेट्रिक्स ❖ डरमेटोलोजी
❖ साईकेट्री ❖ पिडियेट्रिक्स ❖ डेन्टेस्ट्री
❖ जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी ❖ ऑप्थेलमोलॉजी ❖ इमरजेन्सी एण्ड क्रिटिकल केयर
❖ यूरोलोजी ❖ ई.एन.टी. ❖ रेडियोलोजी
❖ आर्थोपिडिक्स ❖ चेस्ट एण्ड टीबी ❖ लेबोरेट्री
❖ सीटी स्केन ❖ एम.आर.आई.
24/7 EMERGENCY SERVICE
आपातकालीन सुविधाएँ उपलब्ध
एम्बुलेंस सेवा
सेवाओं में विस्तार के साथ निम्न इंश्योरेन्स कम्पनियों हेतु टी.पी.ए. विपुल मेड कोर्प द्वारा अधिकृत संस्थान
IFFCO-TOKIO GENERAL INSURANCE
Apollo Munich
bharti AXA general insurance
RELIANCE General Insurance
HDFC ERGO
Max Bupa
ICICI Lombard
SAI TIRUPATI UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Legislative Assembly and as per Sec. 2(F) of UGC Act 1956)
अम्बुआ रोड, ग्राम-उमरड़ा, तहसील: गीर्वा, उदयपुर (राज.)
+91-294-3010000

उदयपुर में गणतंत्र दिवस का उल्लास

उदयपुर। उदयपुर संभाग मुख्यालय पर मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त भवानीसिंह देथा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) सुभाषचन्द शर्मा ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया। समारोह में सांसद अर्जुनलाल मीणा, जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल, महापौर चन्द्रसिंह कोठारी, यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, जिला कलक्टर बिष्णुचरण मल्लिक, पुलिस अधीक्षक राजेन्द्रप्रसाद गोयल सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद थे। सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में उपनिदेशक गौरीकान्त शर्मा ने ध्वजारोहण किया। न्यायालय परिसर में जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेन्द्र कच्छवाह ने ध्वजारोहण किया।

गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित होते पत्रकार राहुल सोनी और यूनूस खान

हिन्दुस्तान जिंक के प्रधान कार्यालय में मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील दुग्गल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकते जिन्होंने अपने जीवन की परवाह किये बिना देश के लिए अपने जीवन को न्यौछावर कर दिया।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल में वाइस चॉसलर डॉ. डी. पी. अग्रवाल ने झण्डारोहण किया और कहा कि चिकित्सा एक ऐसा पेशा है जिसमें नौकरी के साथ-साथ समाजसेवा का भी मौका मिलता है। समारोह में प्रिसिंपल डॉ. ए. पी. गुप्ता, मेडीकल सुप्रिडेन्ट डॉ. एम. सी. बंसल, डेन्टल कॉलेज के प्रिसिंपल डॉ. रविकुमार, नर्सिग कॉलेज के प्रिसिंपल डॉ. शिवकुमार मुदगल, फिजियो थैरेपी कॉलेज की प्रिसिंपल डॉ. रचना सिंघवी तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

नारायण सेवा संस्थान के हिरण मगरी सेक्टर 4, अपना घर व सेवा महातीर्थ बड़ी में संस्थान संस्थापक कैलाश मानव, सहसंस्थापिका कमलादेवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा डॉ. ए.एस चुण्डावत ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में निदेशक वंदना अग्रवाल, ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा, जगदीश आर्य, सोहनलाल पूर्बिया, डॉ. ओ. डी माथुर, राकेश शर्मा, राज अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

बोकड़िया अध्यक्ष तथा चोरडिया मंत्री बने

उदयपुर। आदर्श विकास समिति के स्नेह मिलन समारोह में मदनलाल बोकड़िया को अध्यक्ष, ज्ञान प्रकाश चोरडिया को मंत्री, किशन सिंह जादौन को कोषाध्यक्ष चुना गया। महावीर प्रसाद खेड़वा, गोपालचंद्रन पिल्लई, शंकरलाल डीडवानिया, रमेशचंद्र झंवर, सुरेश कुमार बोहरा, प्रकाश चंद्र मारू, गोपाल गुर्जर व अविनाश जैन को कार्यकारिणी में शामिल किया गया। महापौर चन्द्रसिंह कोठारी व पार्षद आशा बोरदिया ने सदस्यों को बधाई दी।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

36.92 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की

उदयपुर। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) द्वारा कंबोडिया सरकार को भारत सरकार की ओर से 36.92 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था प्रदान की गई। यह ऋण-व्यवस्था स्तुंग स्वा हैब/स्लैब जल संसाधन विकास परियोजना के वित्तपोषण के लिए प्रदान की गई है। करार पर एक्ज़िम बैंक की ओर से महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख तरुण शर्मा तथा कंबोडिया सरकार की ओर से डॉ. फान फाला, अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्रालय, द्वारा हस्ताक्षर किए गए। इस ऋण-व्यवस्था करार के साथ ही कंबोडिया सरकार को एक्ज़िम बैंक द्वारा भारत सरकार की ओर से अब तक 102.12 मिलियन मिलियन यूएस डॉलर की चार ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की जा चुकी हैं। कंबोडिया सरकार को प्रदान की गई इन ऋण-व्यवस्थाओं के अंतर्गत ट्रांसमिशन लाइन और जल संसाधन विकास परियोजनाएं शामिल हैं।

भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, आर्या ग्रुप ऑफ़ कॉलेज और जीनस पावर के बीच एमओयू

उदयपुर। भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी में 8वीं बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष डॉ. एस एस पाबला ने भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी, आर्या ग्रुप ऑफ़ कॉलेज एवं जीनस पावर के बीच एमओयू की घोषणा की। साथ ही में यूनिवर्सिटी में शुरू किये जा रहे नये चार मास्टर्स ऑफ़ वोकेशनल कोर्स के बारे में भी अवगत कराया। बैठक में डॉ एस एस पाबला, अध्यक्ष, भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी; जयंत जोशी, प्रबंध निदेशक, आरयुजे - एसडीपीएल; प्रो संदीप संचेती, अध्यक्ष, मणिपाल यूनिवर्सिटी, डॉ अरविन्द अग्रवाल, अध्यक्ष, आर्या ग्रुप ऑफ़ कॉलेज; अर्ज्यकुमार मिश्रा, हेड कॉर्पोरेट एचआर, जीनस पावर; डॉ आर एल रैना, कुलपति, जे के लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी एवं अन्य महत्वपूर्ण बोर्ड के सदस्य भी शामिल हुए।

बजट के लिए टेलीकॉम क्षेत्र के सुझाव

उदयपुर। टेलीकॉम क्षेत्र की कम्पनियों की सर्वोच्च संस्था सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने इस उद्योग की वित्तीय स्थिति सुधारने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार को केन्द्रीय बजट 2018 के लिए कई सुझाव दिए हैं जो इस प्रकार है- राइट ऑफ वे की कर सम्भाव्यता - मानक प्रक्रियाएं और उचित शुल्क लगा कर टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने की प्रक्रिया सरल बनाने के लिए राइट ऑफ वे के नियम लागू किए गए थे। टेलीकॉम कम्पनियां सरकारी भूमि पर टावर लगाने और ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के लिए नगरीय निकायों जैसी एजेंसियों को निश्चित शुल्क का भुगतान करती है। ये एजेंसियां इन शुल्कों पर कोई कर अदा नहीं करती है, क्योंकि यह भूमि और भवन पर कर में गिन लिया जाएगा, जिन पर इन्हें कर लगाने की विशेष शक्तियां प्राप्त है। राज्य सरकार की आय को केन्द्रीय करों से नहीं जोड़ा जा सकता।

सैमसंग भारत का नम्बर 1 स्मार्टफोन निर्माता

उदयपुर। सैमसंग ने वर्ष 2017 का समापन शानदार आंकड़ों के साथ किया। लगातार सातवें साल सैमसंग भारत की नम्बर 1 स्मार्टफोन निर्माता कंपनी बनी रही है। जीएफके के अनुसार सैमसंग ने 2017 में 42 फीसदी वैल्यू मार्केट शेयर तथा 37 फीसदी से अधिक वॉल्युम मार्केट शेयर हासिल किया। यहां इस बात पर ध्यान देना ज़रूरी है कि सैमसंग के ये आंकड़े जीएफके द्वारा प्रमाणित हैं, जो अंतिम उपभोक्ता के लिए रीटेल सेल्स को ट्रैक करती है। सैमसंग इण्डिया में सीनियर वाईस प्रेज़ीडेन्ट आसिम वारसी ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सैमसंग भारत का सबसे भरोसेमंद ब्राण्ड है और यह देश के लाखों लोगों का भरोसा जीत चुक है। काउन्टरपॉइन्ट एवं कैनालिस रीसर्च एजेन्सियों के मुताबिक भी 2017 में सैमसंग भारत की सबसे बड़ी स्मार्टफोन निर्माता रही। उल्लेखनीय है कि सस्ते चीनी ब्राण्ड्स, जो ऑनलाईन सेल्स के ज़रिए भारतीय बाज़ार में मौजूद हैं, के बावजूद भी सैमसंग ने भारतीय बाज़ार में अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखा है।

जिंक़ बेस्ट रिस्क मैनेजमेंट अवार्ड से पुरस्कृत

उदयपुर। वेदान्ता समूह की कंपनी हिन्दुस्तान जिंक़ को आईसीआईसी लोम्बार्ड एण्ड सीएनबीसी टीवी 18 इण्डिया रिस्क मैनेजमेंट ने बेस्ट रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क एण्ड सिस्टम्स सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट इण्डिया रिस्क मैनेजमेंट अवार्ड-2018 से सम्मानित किया है। पुरस्कार समारोह में एमीनेन्ट ज्यूरी सुश्री अरून्धती भट्टाचार्य भी उपस्थित थी।

सम्मान डॉ. नूरिएल रौबिनी, प्रोफेसर ऑफ इकोनोमिक्स, एनवाईयू स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिज़नेस एण्ड चेयरमैन एण्ड कॉ-फाउण्डर, रौबिनी ग्लोबल इकानॉमिक्स ने हिन्दुस्तान जिंक़ की ओर से मुख्य वित्तीय अधिकारी अमिताभ गुप्ता, मुख्य प्रचालन अधिकारी (माईन्स) लक्ष्मणसिंह शेखावत, हेड-सेफ्टी एण्ड सस्टेनेबिलिटी वी.पी. जोशी एवं रविनारायण जोशी को प्रदान किये।

दक्ष का 5वां एंड्राइड एप्लीकेशन 'सोसायटी' देशभर में लॉन्च

उदयपुर। उम्र के जिस पड़ाव में स्कूली बच्चे तकनीकी ज्ञान का ककहरा सीखते हैं उसमें उदयपुर के दक्ष अग्रवाल ने पांचवीं एंड्राइड एप्लीकेशन बना दुनिया को चौंका दिया। अपनी गहरी अंतरदृष्टि, खुद अपने दम पर लगातार सीखने की कभी न खत्म होने वाली जिज्ञासा के चलते एंड्राइड तकनीक की भारतीय दुनिया के इस सबसे जादूगर ने मात्र 14 बरस की उम्र में वो मुकाम हासिल कर लिया है जहां पहुंचने के लिए बड़े-बड़े इंजीनियर्स भी फक्र महसूस करते हैं।

प्रेसवार्ता में सेंट पॉल स्कूल की नवीं कक्षा के छात्र दक्ष की पांचवी एण्ड्राइड एप्लीकेशन 'सोसायटी' को दादा द्वारकाप्रसाद, दादी सुशीला, माता रूचि, पिता अमितकुमार एवं भाई अंश अग्रवाल की मौजूदगी में पूरे भारत में लांच किया गया है। गूगल पर इसकी फाइनल टेस्टिंग के लिए बीटा वर्जन लांच करने के बाद दक्ष के इस एप की विश्वसनीयता को परखने और सारे मापदंडों पर खरा उतरने के बाद गूगल प्ले स्टोर पर इसे निशुल्क उपलब्ध कराया गया है।

सोसायटी एप के बारे दक्ष ने बताया कि यह उन सभी लोगों के लिए बहुत उपयोगी है जो क्लबों, एसोसियशनों और सामूहिक संस्था के रूप में कार्य करते हैं। किसी अपार्टमेन्ट, कॉम्पलेक्स में रहते हैं। वहां का मैनेजमेंट सभी लोग मिल जुल कर देखते हैं। सामूहिक आयोजनों व मैनेजमेंट में आने वाली सभी परेशानियों को खत्म करने में यह एप पूरी तरह से सक्षम और मददगार है। इसमें सभी सदस्य अपने दिए अधिकारो के हिसाब से संस्था या सोसायटी की सामूहिक आय व खर्च का हिसाब, बैठकें, समस्या या प्रोगाम की जानकारी, सोसायटी से जुड़े सभी लोगों और प्रतिष्ठान, कर्मचारियों का रिकॉर्ड, संपर्क नंबर आदि रख सकते हैं।

दक्ष ने बताया कि सभी सदस्य सोसायटी की मिटिंग, फोटो, वीडियो और अन्य जानकारी पोस्ट कर सकते हैं और अपनी पसन्द, नापसन्द और विचार पोस्ट कर ऑनलाइन डिस्कशन कर सकते हैं। एड बिल पर सोसायटी के अधिकृत व्यक्ति सोसायटी के समस्त बिलों व खर्चों की जानकरी व ब्योरा पोस्ट कर सकते हैं। इससे खर्चों में पारदर्शिता आएगी, विवाद खत्म होंगे। एड रिसिप्ट सेक्शन में सोसायटी के अधिकृत व्यक्ति समस्त आय-विवरण सहित पोस्ट कर सकते हैं और भुगतान करने वाले को हाथोंहाथ मेल पर रसीद प्राप्त हो जाती है। मे-आई हेल्प यू में सोसायटी व फ्लेट सम्बन्धी समस्त आवश्यकता पोस्ट कर सकते हैं जैसे फ्लेट बिकाऊ है, खरीदना है, किराये पर लेना या देना है या अन्य कोई।

वोडाफोन फ्लिपकार्ट में साझेदारी

उदयपुर। वोडाफोन और फ्लिपकार्ट ने उपभोक्ताओं को एंट्री लेवल के स्मार्टफोन मात्र 999 रूपये की अविश्वसनीय कीमतों पर उपलब्ध कराने के लिए एक्सक्लुज़िव साझेदारी का ऐलान किया है। फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध इस चुनिंदा रेंज के किसी भी स्मार्टफोन को खरीदने वाले वोडाफोन के सभी मौजूदा एवं नए प्री-पेड उपभोक्ता आकर्षक कैशबैक ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। वोडाफोन इण्डिया में कन्ज़्यूमर बिजनेस के एसोसिएट डायरेक्टर अवनीश खोसला ने कहा कि इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को 36 महीने तक कम से कम 150 रु प्रतिमाह का रीचार्ज करना होगा (यह रीचार्ज किसी भी राशि में इस तरह किया जा सकता है कि महीने का कुल रीचार्ज रु 150 हो)। 18 महीने के अंत में उपभोक्ता को 900 रु का कैशबैक मिलेगा तथा अगले 18 महीनों के बाद 1,100 रू का कैशबेक मिलेगा। इस तरह उपभोक्ता कुल रु 2000 के कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। कैशबैक उपभोक्ता के वोडाफोन एम-पैसा वॉलेट में आ जाएगा।

'सिटी केबल' ने 'सोनी' के चैनल बंद किए

उदयपुर। देशभर में सिटी केबल ने सोनी पिक्चर नेटवर्क्स के सभी चैनल्स को सामान्य पैकेज में दिखाना बंद कर दिया। इस कदम से मुंबई, दिल्ली, पुणे, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, बैंगलोर, मैसूर, त्रिवेन्द्रम, कोच्चि, अदिलाबाद, तिरूपति समेत कई शहरों के सिटी केबल के लगभग 7 मिलियन (70 लाख) से ज्यादा उपभोक्ता सोनी के चैनल देखने से वंचित हो गए।

सिटी केबल ने इन चैनल्स को 'पोस्ट पेड मॉडल' की जगह 'आला-कार्टे' मॉडल में डाल दिया है, जिसका मतलब हैं कि यदि उपभोक्ता इन चैनल्स को देखना चाहता है तो उसे अतिरिक्त पैसा देना होगा। जबकि, ये सभी चैनल्स अभी तक सिटी केबल के सामान्य 200 रूपये वाले पैकेज में शामिल थे। सिटी केबल की इस मनमानी से सोनी, सोनी सब, सोनी मैक्स, सोनी पिक्स, एएक्सएन, सोनी बीबीसी अर्थ, सोनी टेन 1 सोनी टेन 2 और सोनी टेन 3 जैसे सभी लोकप्रिय चैनल्स बंद हो गए हैं। सिटी केबल की इस कार्रवाई से उपभोक्ता को अधिक भुगतान के लिए बाध्य होना पड़ेगा और उसकी परेशानी भी बढ़ेगी। सिटी केबल की इस कार्रवाई का देशभर के केबल ऑपरेटर्स ने विरोध किया है।

आजादी के बाद.....

(पृष्ठ एक का शेष)

कलामंडल में खोज विभाग को सशक्त कर कलाकारों से सम्पर्क किया गया। उनकी कलाधर्मिता का अनुसंधान, अध्ययन, रेकार्डिंग तथा फोटोग्राफी का कार्य प्रारंभ किया गया। जुलाई 1958 में इस संस्था से मेरा खोज विभाग में जुड़ाव बना। सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष मेरे लिये तो यह रहा कि सामरजी ने मुझे छाया की तरह अपने साथ जोड़ा और मैं उनके साथ दूध में पानी की तरह घुल गया। अगस्त में ही उदयपुर के पास के गांव बेदला में वहां के राव के महलों में लोककलाकारों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित गये। पंद्रह-पंद्रह दिनों के चार शिविरों में पूरे राजस्थान के गांवों, ढाणियों तथा झूंपों में निवास कर रहे कलाकारों से मुझे रू-ब-रू होने का अवसर मिला। सामरजी के साथ मेरी कला-यात्रा भी ऐसी चली जो अब तक उसी रफ्तार और रंगीनी के साथ रपट्यां भर रही है।

इसी शिविर में नागौर जिले के जीजोट गांव के नाथू कठपुतली भाट का परिवार आया जिसे हमने कलामंडल में रखा और अमरसिंह राठौड़ नामक ख्याल की बारीकियों से मुगल दरबार नामक खेल की रचना कर भारत सरकार द्वारा रूमानिया में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय कठपुतली समारोह में देश का प्रतिनिधित्व करते सर्वोच्च पुरस्कार प्राप्त किया जिससे पूरे विश्व में राजस्थानी धागा पुतली की कला प्रभावी बनी और विद्वानों ने माना कि राजस्थान से ही कठपुतली कला का उद्भव और विकास हुआ जो कालान्तर में पूरे विश्व में सिरमौर बना।

लोककलाओं के प्रति विद्वानों की अभिरुचि बढ़े और स्कूलों तथा विश्वविद्यालयों में ये पाठ्यक्रम का हिस्सा बने, खोज-शोध हो इस दृष्टि से अखिल भारतीय लोककला संगोष्ठियां, आम जनता में इन कलाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए लोकानुरंजन समारोह, कलाकारों को उचित मंच प्रदान करने के लिए लोकगीत-संगीत समारोह, कठपुतली समारोह तथा रात-रात भर के मनोरंजन देते ख्याल तमाशे करने वाले दलों के आयोजन रखे।

कलाकारों से व्यक्तिगत संपर्क हेतु यात्राएं की गईं। लोककला संग्रहालय स्थापित किया गया। प्रशिक्षण विभाग खोला गया। प्रदर्शनकारी कलाओं को नव्य-भव्य रूप देने के लिये प्रदर्शन विभाग स्थापित कर पूरे देश तथा विदेशों में सैकड़ों प्रदर्शनों के माध्यम से भारतीय लोककला तथा संस्कृति के प्रति नव जागरण का शंख फूंका गया। विविध विधाओंपरक विविध प्रकाशनों से भारतीयता की अवधारणा से लोगों का ध्यान आकृष्ट किया गया। देवता तथा मनुष्य के अन्त: संबंधों से अटे तीर्थस्थानों, रहस्यमय गुफाओं, तपस्यारत साधुओं, दृश्य-अदृश्य होते स्वरूपों तथा अनेकानेक वैचित्र्यों, लीला लावणियों की भारत भूमि सदैव से ही सबको अचरज देने वाली रही है। आजादी के बाद सारी आंचलिक लोककला-रचनाएं बदलते संदर्भों के साथ हो गईं। पांच दशक पूर्व ही इस क्षेत्र के अगुआओं को भविष्य दर्शन हो गया था तब देवीलाल सामर ने कहा था- 'यदि लोककलाओं को बचाना है और उन्हें जनोपयोगी रखना है तो उनके साथ जुड़े संस्कारों को बचाना होगा। केवल कलाओं को बचा लिया और उनकी आस्थाओं को नहीं बचाया तो कला के ऐसे विकृत रूप प्रकट होंगे जिन्हें देखकर हमारी आंखें रायेंगी।'

कलाजीवी स्वप्नद्रष्टा जगदीश चंद्र माथुर के विचार भिन्न रूप लिये थे। उन्होंने कहा कि सवाल न तो लोककलाओं के पुनरुद्धार का है न ही संरक्षण का। मुख्य सवाल आर्थिक है जिनके बीच अब तक ये कलायें रहीं। लोग जो कलाकारों से सामग्री लेते हैं और ग्रंथ लिखते हैं, बदले में वे उन कलाकारों को क्या देते हैं। उन्होंने तो यह भी कहा कि विश्व-इतिहास में लोकसंस्कृति पर इतना भयानक खतरा कभी नहीं रहा जितना आज है।

इन दोनों महानुभावों के बीच मैंने अपने अध्ययन-अनुभवों को साझा करते हुए अपना पक्ष रखा और कहा कि बदली हुई जीवन व्यवस्था में इन कलाओं का क्या रूप हो? क्या ये कलाएं अपने पारंपरिक परिवेश में जीवित रह सकती हैं? यदि इनमें परिवर्तन-परिवर्धन हो तो किस सीमा तक हो? यह परिवर्तन कलाकार स्वयं करे या अन्य कोई? क्या वह ऐसा नहीं लगेगा जो थोपा हुआ हो? क्या दर्शक और प्रदर्शक का एक मन उसे आंख मींचकर स्वीकार कर लेगा?

आज जब मैं देखता हूं तो तब के कई कलारूपों में बदलाव आया है। कई अरूपी हो गये तो अनेकों में विसंगतियां प्रवेश कर गई हैं। बहुतों की पहचान बदल गई है तो कई दिव्यांगी हो गये हैं। जिनके पास यह समृद्ध थाती थी उनके बेटे-पोते तक उस विरासत को सहेजना तो दूर समझ से अछूते नजर आ रहे हैं।

ऐसे में मेरे जैसे अध्येता को यह संतोष और प्रसन्नता है कि जो कुछ जैसा भी अपने निरंतर भ्रमण के दौरान देखा, सुना, समझा और पूछताछ कर अपना रचाव देते लिखा उसके परिणाम अर्धशताब्दी बाद ही सही मुझे सुखद हुए ही लग रहे हैं। लोककलाओं के जो रूप-स्वरूप-अरूप हैं, जैसे भी विद्यमान हैं, उन पर न केवल भारत में अपितु बाहर भी अनेक लोग शोधरत हैं। अनेकों ने शोधग्रंथ लिखकर इस संपदा की तिजोरी भर दी है।

जो वट-बड़ हमने बोया था आज वह विशाल वटवृक्ष के रूप में दिखाई रहा है और हमारी उम्मीदें मरी नहीं हैं। जानता हूं वटवृक्ष कभी अपना अस्तित्व नहीं खोयेगा। उसकी जड़ें पुन: धरती में समाती हुई एक नये वटवृक्ष के रूप में आगे से आगे की धरती नापती रहेगी। वृक्ष फलता रहेगा, जड़ें नवांकुर देती रहेंगी। भारतीयता के संदर्भ लोक के आलोक में निरंतर नित नवीन उन्मेष की उडीग देते रहेंगे।

पीआईएमएस सम्मानित

उदयपुर। पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस), उमरडा को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत 2016-17 में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पीआईएमएस के चेयरमेन आशीष अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत प्लास्टिक

सर्जन डॉ. ऍम पी अग्रवाल ने बच्चों के कटे हुए होठ, तालु, जन्मजात जुड़ी हुई उंगलियां, नेवस, कान का ना होना तथा जलने के बाद की समस्याओं के ऑपरेशन किये वहीं पीआईएमएस के प्रसूति व महिला विभाग ने दूर दराज गांवों में गर्वभती महिलाओं की जाँच और इलाज करके प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में सक्रिय योगदान दिया। गर्वभती महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड की टैबलेट्स बाँटने से लेकर जरूरतमंद महिलाओं को आयरन सुक्रोज के इंजेक्शन लगाने तथा अस्पताल ले जाकर उनकी डिलीवरी तक समस्त सुविधाए प्रदान की गई।

PACIFIC UNIVERSITY

21 YEARS 1997 - 2018

Placements 2017-18

Congratulations

The Great Eastern Shipping Co. Ltd.

Satyapal S. Ranawat
B.Tech.
GE Shipping
Package : 15 Lac P.A.

BYJU'S The Learning App

Pranav S. Chouhan
B.Tech.
BYJU'S
Package : 7 Lac P.A.

Highest Placement Package 15 LAC P.A.

International Placements

MAURITIUS	MALAYSIA	New Zealand	DUBAI
No. of Placements - 16	No. of Placements - 09	No. of Placements - 04	No. of Placements - 06

Kamlendra S. Solanki

Charu Sharma

Shreyansh Ameta

Sudhanshu Sen

Sidhant V. Singh

Varun Kumar

Chanchal Singh

Shubham Baweja

and many more students placed in Germany, Maldives, Oman, China, Bahrain.

National Placements

amazon

Shubham Vyas

Salon iPandya

Puneet Pareta

Akash Saini

Hardik Biyawat

JK TYRE

Mohammed Irshad

Reliance Industries Limited

Pravin Purohit

TATA CONSULTANCY SERVICES

Manan Gaur

WONDER CEMENT

Anirudh S.Ranawat

Rohit Singhal

HMEL

Hemant Singh

Genus energizing lives

Varsha Tiwar

Rakesh Choudhary

Arvind Paliwal

Ankur Chauhan

AXIS BANK

Dilip Damami

Harshad Dungarwal

Jivana

Saleha Banu

asianpaints

Devidutt Saini

Govind Singh

RANG TECHNOLOGIES DATA TO DECISIONS

Steffy Varghess

Vinitha James

airtel

Sikendar Singh

Aditya Tiwari

jaro education

Jagpreet Singh

and many more...

ACHIEVEMENTS

Consecutive Winner (6 times) in Simulated Management Games Contest of AIMA, New Delhi held among top 270 Management Institute of the Country.

Times Education Achievers Award (Dental, Commerce, Management, Pharmacy, Education)

Pacificians at yet another milestone by achieving 1st Prize in Audacity – 2017

Workshop on Remote Controlled Aircraft Modelling

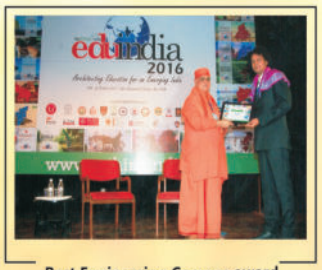

Best Engineering Campus award

4th place in West Zone Inter University Hockey Tournament

Start-up Initiative

Mohd. Azaz established "Sanjar Pharma Ltd", Sabarkantha

Nikhil Shah established "JVN Foods", Vadodara

ADMISSION OPEN 2018-19

ENGINEERING (AICTE Approved)
B.Tech. : Civil / Mechanical / Electrical / CSE / Mining / ECE
M.Tech.
Mob.: 766 501 7791

POLYTECHNIC DIPLOMA (AICTE Approved)
Diploma : Civil / Mechanical / Electrical / Mining / CSE
Mob.: 953 036 0191

HOTEL MANAGEMENT (AICTE Approved)
Trade Diploma in Hotel Management
Diploma in Hotel Management
B.Sc. Hotel Management
Bachelor of Hotel Management & Catering Technology (BHMCT)
Master of Tourism and Hotel Management (MTHM)
Mob.: 967 297 8016

COMPUTER APPLICATION
BCA / MCA / MCA in 2 Yrs. (Eligibility: BCA with Maths)
PGDCA, M.Sc. IT
Mob.: 958 789 2884

AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. Agriculture
Mob.: 992 922 2551

EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION
D.El.Ed., B.Ed.,
B.P.Ed., M.P.Ed.
Mob.: 967 297 8055

MANAGEMENT (AICTE Approved)
MBA (Dual Specialization) I **MBA** (Executive)
MBA : Hospital and Healthcare Management
Mob.: 967 297 8034

LAW (BCI Approved)
LL.B.,
B.A. LL.B.
B.Com. LL.B.
LL.M. (1 Yr.), **LL.M.** (2 Yrs.)
Free R.J.S coaching & other tutorial classes
Mob.: 982 985 5566

BASIC SCIENCE
(Free Coaching for Competitive Exams)
B.Sc. (Both Maths & Bio Group)
B.Sc. (Hons.) {Physics / Chemistry / Maths / Computer Science / Statistics / Botany / Zoology)
M.Sc. {Physics/Chemistry/Maths/ Computer Science/Statistics)
Mob.: 766 501 7783

YOGA
Certificate, Diploma,PG Diploma & M.Sc. in Yoga
Mob.: 766 501 7752

GYM TRAINING & MANAGEMENT
Certificate, Diploma, PG Diploma
(Personal Trainer & Gym Management)
Mob.: 823 911 0077

DENTAL (DCI Approved)
B.D.S., M.D.S.
Diploma in Dental Mechanic / Diploma in Dental Hygienist
Mob.: 766 501 7760

SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES
B.A. / B.A. (Hons.)
(Free Coaching for Competitive Exams like IAS, RAS, RPSC, SSC, BANK, PO, CDS, PSI, CONSTABLE, PATWARI & CLERICAL EXAMS)
M.A. / M.S.W.
Mob.: 766 501 7753

COMMERCE
BBA: Global Business Management
(Free Educational foreign tour every year)
B.Com. I BBA (Synchronized with competitive exams)
B.Com. (Hons.) (Synchronized with CA / CS)
M.Com.
Mob.: 988 726 2020

MASS COMMUNICATION
Diploma Journalism and Mass Communication (DJMC)
BA I MA (Journalism and Mass Communication)
Mob.: 988 726 2020

DAIRY TECHNOLOGY
B.Tech. Dairy Technology
Mob.: 967 297 8063

PHARMACY (PCI & AICTE Approved)
B.Pharma
M.Pharma
Mob.: 766 501 7717

FIRE AND SAFETY MANAGEMENT
B.Sc.: Fire & Industrial Safety Management
Diploma: Fire & Safety Management / Industrial Safety & Disaster Mgmt. / Health Safety & Environment
PG Diploma: Industrial Safety Management / Fire & Safety Management / Health, Safety & Environment
Mob.: 967 297 0953

FASHION TECHNOLOGY
Diploma: Fashion Designing / Jewellery Designing / Textile Designing / Fine Arts & Graphics
Interior Designing
Drama / Acting / Graphic Web Designing / Modelling / Animation / Accessory Designing / Event Management / Architecture
B.Sc. & M.Sc.: Fashion Designing / Interior Designing / Jewelry Designing / Textile Designing / Fine Arts & Graphics
MBA : Design Management / Fashion Designing / Textile Designing
Mob.: 967 297 8017

RESEARCH AND DOCTORATE
M.Phil. & Ph.D. (In all the streams listed above)
Mob.: 967 297 8030

PACIFIC UNIVERSITY | Pacific Hills, Pratapnagar Extension, Airport Road, Debari, Udaipur - 313024 | Email : info@pacific-university.ac.in Ph : 0294-3065000, 7665017787, 9672970940 | www.pacific-university.ac.in

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।